an>

Title: Regarding Law and Order situation in Manipur.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : महोदय, आठवीं बार नोटिस देने के बाद आज मुझे बोलने का मौका मिला है।

महोदय, मैं मणिपुर के एक संवेदनशील मामले को सदन में उठाना चाहता हूं। 8 जुलाई से एक छात्र का मृत शरीर वहां रखा है, जिसकी अंत्येÂिट नहीं हो सकी है। उसका दुÂपरिणाम यह है कि 8 जुलाई से 14 जुलाई तक दिन और रात का कर्फ्यू रहा है। रात में सरकार का कर्फ्यू रहता है और दिन में हड़ताल का कर्फ्यू रहता है। यह बात मैं सदन को इसलिए बताना चाहता हूं कि जब किसी की टीआरपी नहीं होती है तो शायद उस राज्य की चिंता नहीं होती है। वहां बाढ़ भी आयी है। उसके कारण कुछ और हो सकते हैं। मैं सरकार का ध्यान सिर्फ इसलिए आकर्Âिात करना चाहता हूं कि ग्याहरवीं का छात्र रॉबिनहुड सिंह की मौत एक मामूली सी मांग के पीछे होती है। यदि किसी का सस्पैंशन होना चाहिए तो वहां की राज्य सरकार जो इतना भी काम नहीं कर सकती है और पूरे राज्य को आफत में, आग में झोंक देना चाहती है। उस राज्य के आधे हिस्से में प्रकृति के तांडव के कारण बाढ़ है और तीस लोग मर चुके हैं। एनडीआरएफ की टीम वहां जाकर काम करना चाहती है, लेकिन मणिपुर की सरकार कुछ करने के लिए तैयार नहीं है। मैं इसके पीछे सिर्फ एक कारण देखता हूं कि वहां जो भ्रÂटाचार के मुद्दे थे, वे दब जाएं। इसलिए चाहे राज्य जल जाए और मैंने पहली बार देखा कि वहां के वकील और वहां के आम लोग, पॉलीटिकल पार्टियां नहीं बोल पा रही हैं, मणिपुर में राÂट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में मैं आपके माध्यम से सरकार से चाहूंगा कि इस पर तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए और उस बच्चे का मृत शरीर जो रखा है, उसे उसके मां-बाप लेने के लिए तैयार नहीं हैं, उसकी अंत्येÂिट करा कर उस राज्य की शांति बहाल करनी चाहिए।